आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 238 | उज्जैन, शुक्रवार 18 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मध्यप्रदेश के आठ शहरों को विभिन्न श्रेणियों में स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 पुरस्कारों से नवाजा गया

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने किया सम्मानित

भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने इंदौर सहित मध्यप्रदेश के साथ अन्य शहरों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 पुरस्कारों से सम्मानित किया। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर और राज्य मंत्री श्री तोखन साहू भी उपस्थित थे। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय और राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने राज्य की तरफ से पुरस्कार ग्रहण किया। इस अवसर पर पुरस्कृत शहरों के महापौर और निगम अधिकारी मौजूद थे।

इंदौर फिर हुआ पुरस्कृत''

इंदौर को एक बार फिर 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाली श्रेणी में स्वच्छ लीग अवार्ड में सर्वश्रेष्ठ शहर से पुरस्कृत किया गया। इसी श्रेणी में 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में उज्जैन को सर्वश्रेष्ठ शहर का पुरस्कार प्राप्त हुआ। शहरों की श्रेणी में 20 हजार से कम आबादी वाली जनसंख्या वाले शहरों में बुधनी सर्वश्रेष्ठ रहा।

राजधानी भोपाल को स्वच्छ शहर का पुरस्कार''

राजधानी भोपाल को 10 लाख से अधिक जनसंख्या की श्रेणी में स्वच्छ शहर का द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इसी श्रेणी में 50 हजार से 3 लाख जनसंख्या वाले शहरों में देवास को प्रथम पुरस्कार और 20 हजार से कम जनसंख्या वाले शहरों में शाहगंज को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

छांगुर पर ED का शिकंजा, बलरामपुर में 12 और मुंबई में 2 ठिकानों पर छापेमारी शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में धर्मांतरण सिंडिकेट चलाने वाले मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के खिलाफ पुलिस लगातार शिकंजा कसती जा रही है। इसी कड़ी में प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार सुबह 5 बजे 14 जगहों पर छापेमारी की।

जानकारी के मुताबिक, ईडी ने बलरामपुर के 12 और मुंबई के 2 ठिकानों पर छापेमारी की। मधपुर व उतरौला नगर में भी छांगुर के ठिकानों पर ईडी की टीम मौजूद है। आरोपी नवीन से शहजाद शेख को 2 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए थे, जिसके बाद शेख के बांद्रा और माहिम स्थित आवासों पर छापेमारी की गई। बता दें कि छांगुर और उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन सलाखों के पीछे है।

40 बैंक खातों में 106 करोड़ रुपये- 9 जुलाई को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के अपराधों की जांच के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत छांगुर के खिलाफ प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की। ईडी ने जानकारी हासिल की कि उसके 40 बैंक खातों में 106 करोड़ रुपये की धनराशि है। ज्यादातर पैसे मिडिल ईस्ट से आए हैं।

मणिपुर में बड़ा फर्जीवाड़ा, कंपनी ने 5 हजार लोगों से की 250 करोड़ की ठगी; अब ED ने लिया एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर से ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने बिर्ला एम्पोरियम नाम की कंपनी और उसके डायरेक्टर युमनाम इराबंता सिंह के खिलाफ शिकंजा कसा है।

ईडी ने कंपनी, उसके डायरेक्टर और अन्य लोगों के खिलाफ सप्लीमेंट्री प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट दायर की है। आरोप है कि इन्होंने करीब 5 हजार निवेशकों से 250 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी की है। 2019 से 2021 के बीच की गई ठगी- ईडी के मुताबिक, यह कार्रवाई मणिपुर सीआईडी द्वारा दर्ज कई मामलों के आधार पर की गई है। जांच में पता चला कि युमनाम 2019 से लेकर 2021 के बीच फर्जी निवेश योजना चलाई। इसमें लोगों से हाई रिटर्न का लालच देकर पैसे जमा कराए गए।

लेकिन यह पूरी तरह से ठगी का एक जाल था। निवेशकों से मिले पैसे का इस्तेमाल कंपनी के मालिक और उसके सहयोगियों ने अपने निजी लाभ के लिए किया। यह पैसा किसी व्यापार में नहीं लगाया गया, बल्कि प्रॉपर्टी और अन्य महंगी चीजों में खर्च कर दिया गया।

पुलिस से नहीं ली थी इजाजत, बेंगलुरु भगदड़ मामले में आई कर्नाटक सरकार की रिपोर्ट; कोहली का भी जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की विक्ट्री परेड के दौरान मची भगदड़ को लेकर जांच रिपोर्ट आई गई है। सिद्दरमैया सरकार ने कर्नाटक हाई कोर्ट में अपनी रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि RCB ने बिना पुलिस इजाजत के लोगों को विक्ट्री परेड में आने का आमंत्रण दिया था।

विक्ट्री परेड में 11 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे। राज्य सरकार ने अदालत से रिपोर्ट को गोपनीय रखने का आग्रह किया था, लेकिन अदालत ने कहा कि इस गोपनीयता का कोई कानूनी आधार नहीं है।

राज्य सरकार ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आरसीबी मैनेजमेंट ने आईपीएल फाइनल मुकाबला जीतने के बाद 3 जून को पुलिस से संपर्क किया था। लेकिन, यह बस एक सूचना मात्र थी। मैनेजमेंट में कानूनी तौर पर इजाजत नहीं मांगी थी। कानून के मुताबिक, ऐसी इजाजत आयोजन से कम से कम सात दिन पहले लेनी होती है।

रिपोर्ट में आरसीबी के पोस्ट का जिक्र- सरकार द्वारा पेश किए गए रिपोर्ट में कहा गया है कि आरसीबी ने पुलिस से परामर्श किए बिना अगले दिन सुबह 7.01 बजे अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एक फोटो पोस्ट की, जिसमें लोगों के लिए निशुल्क प्रवेश की सूचना दी गई और जनता को विजय परेड में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया, जो विधान सौध से शुरू होकर चिन्नास्वामी स्टेडियम में समाप्त होगी।

अंतरिक्ष की यात्रा करना एक अनोखा अनुभव, स्पेस में 18 दिन बिताने के बाद परिवार से मिले शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 18 दिन के मिशन के बाद पृथ्वी पर लौटे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने बुधवार को अपनी पत्नी कामना शुक्ला और छह वर्षीय बेटे कियाश शुक्ला से मिलकर भावुक हो गए। शुभांशु शुक्ला ने परिवार से मुलाकात के भावुक पलों को साझा किया है।

शुभांशु ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें साझा कीं- इंस्टाग्राम पर तस्वीरें साझा करते शुभांशु ने लिखा कि अंतरिक्ष की यात्रा करना एक अनोखा अनुभव है, लेकिन लंबे समय बाद अपनों से मिलना भी उतना ही अद्भुत होता है। मुझे क्वारंटीन में गए हुए दो महीने हो चुके हैं।

अंतरिक्ष की यात्रा करना एक अनोखा अनुभव - क्वारंटीन के दौरान जब परिवार मिलने आता था, तब हमें आठ मीटर की दूरी बनाकर रखनी पड़ती थी। मेरे छोटे बेटे को यह कहकर समझाया गया था कि उसके हाथों पर कीटाणु हैं, इसलिए वह अपने पापा को छू नहीं सकता।

उन्होंने आगे लिखा, जब मैं धरती पर लौटा और अपने परिवार को फिर से बाहों में लिया, तो ऐसा महसूस हुआ जैसे मैं फिर से अपने घर लौट आया हूं।

शुभांशु ने लिखा, आज ही किसी अपने को गले लगाइए और कहिए कि आप उनसे प्यार करते हैं। हम अक्सर जिंदगी की भागदौड़ में इतना उलझ जाते हैं कि अपने करीबियों की अहमियत भूल जाते हैं। इंसानी अंतरिक्ष मिशन जादुई होते हैं, लेकिन उन्हें जादुई इंसान बनाते हैं।

राजकोट में झील में डूबने से दो सगे भाई समेत 3 बच्चों की मौत, 6-8 साल थी उम्र

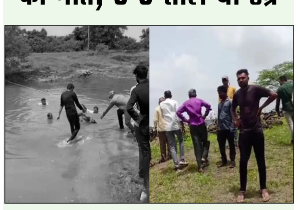

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजकोट के जामकंडोरणा तालुका के पडरिया गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक झील में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय तैराक, बचाव कर्मी और पुलिस कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद तैराकों ने तीनों बच्चों के शवों को झील से बाहर निकाला। मरने वालों में छह वर्षीय भावेश डांगी, 8 वर्षीय हितेश डांगी और 7 वर्षीय नितेश डांगी का नाम शामिल है।

क्या भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बनेगी बात? डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा इशारा; कहां फंस रहा पेच

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है और जल्द ही इस पर मुहर लग सकती है।

ट्रंप ने कहा कि प्रस्तावित समझौता अमेरिकी कंपनियों को अमेरिका और इंडोनेशिया के बीच हुए व्यापार समझौते के अनुरूप भारतीय बाजार में बेहतर पहुंच दे सकता है। दरअसल, भारत और अमेरिका ऐसी ट्रेड डील पर बातचीत कर रहे हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य टैरिफ को 20 प्रतिशत से कम रखना है।

ट्रेड डील को लेकर क्या बोले डोनाल्ड ट्रंप- अमेरिकी राष्ट्रपति ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हमने इंडोनेशिया के साथ एक समझौता किया है। हमें इंडोनेशिया तक पूरी पहुंच मिली है। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते के तहत इंडोनेशिया अमेरिका को अपने देश तक पहुंच दे रहा है, जो हमें पहले कभी नहीं मिला। ट्रंप ने आगे कहा कि उनका प्रशासन कुछ अन्य व्यापारिक समझौतों की घोषणा करने वाला है और इसको लेकर उन्होंने भारत का भी नाम लिया।

भारत के बाजारों तक होगी पहुंच- भारत को लेकर उन्होंने कहा, शायद यह समझौते का सबसे बड़ा हिस्सा है, भारत मूलतः इसी दिशा में काम कर रहा है। हमें भारत तक भी पहुंच मिल जाएगी। अमेरिका ने पहले ही कई देशों को चिट्ठी लिखकर पारस्परिक टैरिफ दरों का विवरण शेयर कर दिया है। ये नई दरें 1 अगस्त से लागू हो जाएंगी।

पाकिस्तान हुआ शर्म से पानी-पानी! शहबाज सरकार ने ट्रंप के पाक दौरे की उड़ाई अफवाह, तो व्हाइट हाउस ने ही खोल दी पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने टीवी चैनलों ने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सितंबर में पाकिस्तान का दौरा करने वाले हैं। लेकिन इस दावे की पोल कुछ घंटों में खुल गई और हमेशा की तरह एक बार फिर से पाकिस्तान की फजीहत हो गई।

पाकिस्तानी मीडिया, खासकर समा टीवी ने फर्जी खबर चलाई कि ट्रंप 18 सितंबर को इस्लामाबाद का दौरा करेंगे। जबकि व्हाइट हाउस के अनुसार, ट्रंप 17 से 19 सितंबर तक ब्रिटेन के दौरे पर रहेंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप 17 से 19 सितंबर को ब्रिटेन का राजकीय दौरा करेंगे। आमतौर पर राजकीय दौरे ब्रिटेन के बकिंघम पैलेस में होता है लेकिन मरम्मत की वजह से ट्रंप का दौरा विंडसर कैसल में होगा। 19 साल पहले कोई अमेरिकी राष्ट्रपति गया था पाकिस्तान

आखिरी बार अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने 2006 में पाकिस्तान का दौरा किया था। तब से कोई भी अमेरिकी राष्ट्रपति वहां नहीं गया। पाकिस्तान को आतंकवाद को बढ़ावा देने और प्रायोजित करने के लिए जाना जाता है।

पिछले महीने ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की मेजबानी की थी। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि ट्रंप इस्लामाबाद जा रहे हैं। पाकिस्तानी मीडिया का यह झूठ पहली बार नहीं है। इससे पहले भी भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के बाद सैन्य संघर्ष के दौरान उन्होंने कई बेतुके दावे किए थे।

असीम मुनीर और डोनाल्ड ट्रंप की हुई थी अभूतपूर्व बैठक- पिछले महीने पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलने के लिए वाशिंगटन डीसी स्थित व्हाइट हाउस पहुंचे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से किसी देश के आर्मी चीफ को बुलाया जाना एक अप्रत्याशित कदम है।

इमारत का सत्यजीत रे से कोई संबंध नहीं, ध्वस्तीकरण पर हुई फजीहत के बाद बांग्लादेश ने दी सफाई; बताया कहां था पैतृक घर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में सत्यजीत रे के पैतृक आवास को ध्वस्त करने की कार्यवाही पर फजीहत होने के बाद अब बांग्लादेश सरकार ने अपनी सफाई पेश की है। बांग्लादेश ने कहा है कि जिस जर्जर इमारत को रिपोर्टों में सत्यजीत रे का पैतृक घर बताया जा रहा है, उसका सत्यजीत रे या उनके परिवार के किसी भी सदस्य से कोई संबंध नहीं है।

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में बयान जारी किया। इस बयान में कहा गया है कि पुरालेखीय अभिलेखों की विस्तृत जांच के आधार पर यह पुष्टि की गई है कि इमारत का प्रख्यात फिल्ममेकर सत्यजीत रे के पूर्वजों से कई संबंध नहीं था। बता दें कि बांग्लादेश के मैमनसिंह स्थित एक जर्जर मकान को ढहाए जाने के बाद यूनुस सरकार को आलोचना का सामना करना पड़ा था। कहां था सत्यजीत रे का पैतृक आवास?

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा, इस मकान को स्थानीय जमींदार शशिकांत आचार्य चौधरी ने अपने कर्मचारियों के लिए बनवाया था। जमींदारी प्रथा खत्म हुई, तो इस पर सरकार का नियंत्रण हो गया। बाद में इसे बांग्लादेश शिशु अकादमी को पट्टे पर अलॉट कर दिया गया था। अभिलेखों की जांच के बाद यह स्पष्ट किया जाता है कि जमीन सरकारी है और इसका रे परिवार से कोई संबंध नहीं है।

मंत्रालय ने यह भी बताने की कोशिश की कि घर के सामने वाली सड़क का नाम सत्यजीत रे के परदादा हरिकिशोर रे के नाम पर है। इस वजह ये ऐसी धारणा उत्तपन्न हो गई कि यह सत्यजीत रे का पैतृक आवास है।

हम डील के बेहद करीब..., व्यापार समझौते को लेकर भारत-अमेरिकी के बीच बन गई बात?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के साथ व्यापार समझौता करने के लिए अमेरिका बेताब है। इस मामले पर एक तरफ जहां भारत नपा-तुला बयान दे रहा है। वहीं, अमेरिका की ओर से व्यापार समझौते पर लगातार बयान दिए जा रहे हैं।

बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि दोनों देशों के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है और जल्द ही व्यापार समझौते पर बात बनने वाली है।

व्हाइट हाउस में बहरीन के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा, हमने कल ही एक डील की है। अब एक और डील आने वाली है, शायद भारत के साथ।

इससे पहले ट्रंप ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि उनकी सरकार भारत के साथ उसी तरह की ट्रेड डील कर सकती है जैसी इंडोनेशिया के साथ हुई थी। बता दें भारत के वाणिज्य मंत्रालय की एक टीम इस समय वॉशिंगटन में है, जहां व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है।

भारत पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगा सकता है अमेरिका- अमेरिका ने 15 जुलाई को एलान किया कि अमेरिका और इंडोनेशिया के बीच एक अहम टैरिफ समझौता हुआ है।

इराक के शॉपिंग मॉल में भीषण अग्निकांड, 60 लोगों की जिंदा जलकर मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी इराक के अल-कुट शहर के एक हाइपरमार्केट में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। इस हादसे में 60 लोगों की मौत हो गई। सोशल मीडिया पर इमारत पर आग लगने की घटना का वीडियो वायरल हो गया।

वीडियो में देखा जा सकता है कि अल-कुट शहर में एक पांच मंजिला इमारत में रात में आग लग गई और दूर-दूर तक लपटें दिखाई दे रही हैं। हालांकि, फायर ब्रिगेड लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटा हुआ है।

गवर्नर का बयान आया सामने-समाचार एजेंसी आईएनए की रिपोर्ट के अनुसार, आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चला है। अल-कुट के गवर्नर ने कहा कि जांच के शुरुआती नतीजे 48 घंटे के भीतर घोषित कर दिए जाएंगे।

US में घुसने नहीं देंगे अगर..., भारतीय महिला की इस हरकत अमेरिकी दूतावास ने जारी की चेतावनी

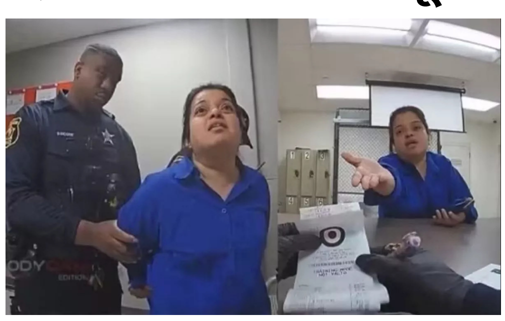

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय महिला पर्यटक को इलिनॉयस के एक शॉपिंग स्टोर में चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। महिला पर आरोप है कि उसने इलिनॉयस स्थित स्टोर पर लगभग सात घंटे बिताए और चोरी की।

महिला की हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। महिला के पास से चोरी किए हुए सामान की बरामदगी हुई। महिला की पहचान अवलानी के रूप में हुई है।

सीसीटीवी में कैद हुई महिला की हरकत- अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि महिला ने लगभग 1,300 डॉलर (लगभग 1.80 लाख रुपये) के सामान की चोरी की है। सीसीटीवी में देखा गया कि महिला 7 घंटों तक स्टोर में पूरी ट्रॉली सामान भरकर घूमती रही। इसके बाद महिला बिना सामान के भुगतान किए गेट से बाहर निकलने की कोशिश कर रही थी।

महिला ने सफाई में क्या कहा- पकड़े जाने के बाद महिला ने पुलिस के सामने अपना पक्ष भी रखा। महिला ने कहा कि वो सभी सामान का भुगतान करने के लिए तैयार है। महिला ने कहा, अगर मैंने आपको तकलीफ दी तो माफ कीजिए। मैं इस देश की नहीं हूं और मुझे यहां नहीं रुकना है। इस पर पुलिस अधिकारी ने कहा कि क्या भारत में चोरी करने की इजाजत है। मुझे ऐसा नहीं लगता।

ट्रंप प्रशासन ने क्या कहा- इस घटना के बाद भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने अमेरिकी वीज़ा के लिए आवेदन करने वाले भारतीयों के लिए एक नई चेतावनी जारी की है। ङ्ग पर साझा की गई इस नई चेतावनी में अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि अमेरिका में चोरी या सेंधमारी करना न केवल आपके लिए समस्याएं पैदा होंगी बल्कि इससे आपका वीजा रद भी हो सकता है।

रूस–यूक्रेन वार के बीच जेलेंस्की का बड़ा फैसला, यूलिया स्विरीडेंकी को बनाया पीएम; मौजूदा प्रधानमंत्री को दी ये जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने देश की सरकार में बड़ा फेरबदल किया है। उन्होंने मौजूदा प्रधानमंत्री डेनिस शिमहाल को हटाकर यूलिया स्विरीडेंकी को नया प्रधानमंत्री नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया है।

जेलेंस्की द्वारा सरकार में फेरबदल ऐसे समय में किया गया है, जब रूस के साथ यूक्रेन का युद्ध चौथे साल में पहुंच गया है। यूलिया स्विरीडेंकी को देश की नई प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव संसद में रखा गया है। इससे पहले पीएम शिमहाल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

सबसे लंबे समय तक पीएम रहे शिमहाल- शिमहाल को अब रक्षा मंत्री पद की जिम्मेदारी दी जा रही है। वह यूक्रेन के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे हैं, जिन्हें 4 मार्च 2020 को नियुक्त किया गया था।

बता दें, यूलिया स्विरीडेंकी ने अमेरिका और यूक्रेन के बीच खनिज समझौते में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और पश्चिमी देशों के साथ कई उच्च स्तरीय बैठकों में देश का प्रतिनिधित्व किया है।

किस पर है जेलेंस्की का मुख्य फोकस- हाल ही में जेलेंस्की ने यूलिया और डिजिटल ट्रांसफोर्मेशन मंत्री मिखाइलो फेडोरोव के साथ एक फोटो शेयर करते हुए बताया था कि आने वाले छह महीनों में सरकार का मुख्य फोकस स्वदेशी हथियारों का उत्पादन बढ़ाने और सभी प्रकार के ड्रोन की आपूर्ति सुनिश्चित करने पर होगा। मौजूदी पीएम को रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी

प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद शिममहाल को रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। यह मंत्रालय युद्धकाल में सबसे अहम माने जाने वाले विभागों में से एक है और इसका बजट भी काफी ज्यादा है।

टुमॉरोलैंड म्यूजिक फेस्टिवल का स्टेज जलकर राख, 18 जुलाई को शुरू होना था कार्यक्रम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेल्जियम के शहर बूम में हर साल होने वाले मशहूर टुमॉरोलैंड इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक फेस्टिवल इस बार मुश्किल में आ गया है। 18 जुलाई से शुरू होने वाले इस फेस्टिवल से सिर्फ दो दिन पहले बुधवार को इसके मैन स्टेज में भीषण आ लग गई।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आग स्टेज के दाहिने हिस्से से शुरू होकर देखते ही देखते पूरे स्टेज को अपनी चपेट में ले लिया। बेल्जियम की वेबसाइट VRT न्यूज और द यूएस सन के अनुसार, स्थानीय लोगों ने फायरवर्क्स जैसी आवाजें सुनी थीं, लेकिन आग के असली कारणों की पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है। तैयारियों में लगे थे एक हजार लोग

हालांकि, जब आग लगी तो उस वक्त कोई दर्शक मौजूद नहीं था। लेकिन, फेस्टिवल की तैयारियों में लगभग एक हजार लोग लगे हुए थे।

टुमॉरोलैंड की प्रवक्ता डैबी विल्मसन ने कहा, हमारी सबसे पहली प्राथमिकता सुरक्षा है। आपात सेवाएं मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि इस हादसे में किसी को चोट पहुंची है या नहीं, लेकिन आयोजकों की ओर से अब तक कोई अधिक जानकारी नहीं दी गई है। बता दें, टुमॉरोलैंड फेस्टिवल के इस साल का थीम द वर्ल्ड ऑफ ऑर्बिज है और उसी के अनुसार मैन स्टेज की सजावट की गई थी, जो अब आग में बुरी तरह से जल चुकी है।

कुछ मित्र सरकारों के संपर्क में..., निमिषा प्रिया मामले पर आया विदेश मंत्रालय का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी की सजा पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिया है। फिलहाल निमिषा प्रिया की फांसी की सजा टाल दी गई है।

रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार उन्हें हर संभव सहायता दे रही है। हमने कानूनी सहायता प्रदान की है और परिवार की सहायता के लिए एक वकील नियुक्त किया है। हम इस मुद्दे को सुलझाने के लिए स्थानीय अधिकारियों और उसके परिवार के संपर्क में भी हैं।

हर संभव सहायता को तैयार- उन्होंने कहा की इसमें पिछले कुछ दिनों में उसके परिवार को दूसरे पक्ष के साथ पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान तक पहुंचने के लिए और समय देने के ठोस प्रयास शामिल हैं। हम मामले पर बारीकी से नजर रखते रहेंगे और मामले में हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। हम इस संबंध में कुछ मित्र सरकारों के संपर्क में भी हैं।

यमन की जेल में बंद निमिषा- बता दें कि यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी की सजा फिलहाल टाल दी गई है। निमिषा प्रिया पिछले आठ वर्षों से यमन की जेल में बंद है और वहां की सर्वोच्च अदालत ने उन्हें हत्या के जुर्म मं फांसी की सजा सुनाई है। भारत सरकार की तरफ से उन्हें रिहा कराने की तमाम कोशिशों के बावजूद पिछले दिनों निमिषा प्रिया को 16 जुलाई, 2025 को फांसी दे देने की तारीख तय की गई थी।

विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया है कि स्थानीय प्रशासन ने भारतीय नर्स को बुधवार को दी जाने वाली फांसी की सजा फिलहाल स्थगित कर दी है। इस बारे में भारत के सुप्रीम कोर्ट में भी एक मामला दायर किया गया था। केंद्र सरकार ने कोर्ट में बताया था कि चूंकि यह दूसरे देश में दायर मामला है।

ऐसा क्या हुआ कि ED को लौटानी पड़ी करोड़ों की संपत्ति? SBI से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय, कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय ने कौशिक ग्लोबल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के आधिकारिक परिसमापक को 9.56 करोड़ रुपये मूल्य की अचल और चल संपत्ति सफलतापूर्वक वापस कर दी है।

धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के तहत कुर्क की गई संपत्तियों की वापसी, कोलकाता के बिचार भवन स्थित एक विशेष अदालत द्वारा पारित आदेश के अनुसार की गई।

प्रवर्तन निदेशालय ने सीबीआई की प्राथमिकियों के आधार पर धन शोधन की जांच शुरू की थी। जांच के दौरान, 10.86 करोड़ रुपये की आपराधिक आय का पता चला और दो अनंतिम कुर्की आदेशों के तहत कुर्क किया गया।

यह मामला एक बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़ा है। ग्लोबल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के निदेशक (धनंजय सिंह, संजय सिंह और मृत्युंजय सिंह) ने कथित तौर पर भारतीय स्टेट बैंक को चूना लगाया। उन लोगों ने 85.39 करोड़ रुपये का लोन लिया था, जो जून 2013 तक गैर-निष्पादित आस्तियों में बदल गए। उन लोगों पर 60.38 करोड़ रुपये का बकाया था।

असम के गोलपाड़ा में उपद्रवियों का आतंक, पुलिसकर्मियों पर बरसाए पत्थर; दो जवानों की हालत गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को असम के गोलपाड़ा जिले के पैकान इलाके में पुलिस और वन विभाग की टीम पर कुछ उपद्रवियों ने हमला कर दिया। इस हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है।

पुलिस के मुताबिक, यह मामला उस समय हुआ जब पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम पैकान रिजर्व फॉरेस्ट में गश्त के लिए गई थी। तभी कुछ लोगों ने अचानक हमला कर दिया और पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए।

हमले के बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। हालांकि, हालात अभी भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। असम पुलिस के IGP (लॉ एंड ऑर्डर) अखिलेश कुमार सिंह ने जानकारी दी कि स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

उन्होंने कहा, इस घटना में कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर है। हालात पर नियंत्रण पाने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

बता दें, हाल ही में असम सरकार ने राज्य के कई हिस्सों में अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया था। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को बताया कि अब तक 1 लाख 19 हजार 548 बीघा जमीन से अतिक्रमण हटाया जा चुका है।

इनमें से 84 हजार 743 बीघा जमीन जंगलों और राष्ट्रीय उद्यानों की है। सरकार का यह अभियान विशेष रूप से उन इलाकों में चलाया जा रहा है जहां सालों से अवैध कब्जा था।

बच्चे की कस्टडी पिता को देकर गलती हुई, SC ने मानी अपनी गलती; 12 साल के मासूम की पीड़ा सुन पलट दिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पिता-पुत्र कस्टडी को लेकर एक अहम आदेश सुनाया है। कोर्ट ने 12 वर्षीय लड़के की कस्टडी उसके पिता को सौंपने के अपने ही 10 महीने पुराने फैसले को पलट दिया।

कोर्ट ने कहा कि बच्चों की कस्टडी को लेकर अदालत के फैसले अंतिम नहीं हो सकते। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने कहा कि कस्टडी के दौरान बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी माना की बच्ची की कस्टडी पिता को देकर अदालत ने गलती की है।

अब समझ लेते हैं कि मामला क्या है। दरअसल, बच्चे के माता-पिता की शादी 2011 में हुई थी और उसका जन्म 2012 में हुआ था। एक साल बाद दोनों अलग हो गए और बच्चे की कस्टडी मां को सौंप दी गई। मां ने 2016 में दोबारा शादी कर ली। उसके दूसरे पति के पहले विवाह से दो बच्चे थे, और नए जोड़े का अपना एक बच्चा था। इसके बाद पिता ने बताया कि उन्हें 2019 तक बच्चे के ठिकाने के बारे में पता नहीं था, जब मां ने कुछ कागजी कार्रवाई के लिए उनसे संपर्क किया क्योंकि वह और उनके दूसरे पति बच्चों के साथ मलेशिया जाने का फैसला कर चुके थे। पिता ने यह भी बताया कि उन्हें पता चला कि बच्चे का धर्म उनकी सहमति या जानकारी के बिना हिंदू से ईसाई में बदल दिया गया था।

हाई कोर्ट के फैसले के बाद पिता के कस्टडी में पहुंचा बच्चा- इसके बाद पिता ने बच्चे की कस्टडी के लिए फैमिली कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उसे कोई राहत नहीं मिली। उन्होंने इसे हाई कोर्ट में चुनौती दी। इसके बाद बच्चे की कस्टडी पिता को दे दी गई। हालांकि, मां ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, लेकिन अदालत ने पिछले साल अगस्त में उनकी अपील खारिज कर दी थी।

5 साल के बच्चे के साथ फरार हुई रशियन महिला, एयरपोर्ट्स और बंदरगाहों पर हो रही तलाशी; पासपोर्ट जब्त करने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक असामान्य चाइल्ड कस्टडी केस की सुनवाई करते हुए गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय को निर्देश दिया है कि रूसी महिला विक्टोरिया बसु के लिए लुकआउट नोटिस जारी करें। रूस की इस महिला पर अपने 5 साल के बेटे के साथ फरार होने का आरोप है।

कोर्ट ने विक्टोरिया बसु का पासपोर्ट जब्त करने का भी आदेश दिया है। महिला के पति ने शक जताया है कि वह देश छोड़कर जा सकती है। ऐसे में अदालत की तरफ से सीमा अधिकारियों को एयरपोर्ट्स और बंदरगाहों पर निगरानी रखने का निर्देश भी जारी किया गया है।

चीन में हुई थी दोनों की मुलाकात

दरअसल सैकत बसु नाम का व्यक्ति चीन में एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करता था। यहां उसकी मुलाकात रूसी महिला विक्टोरिया बसु से हुई। दोनों ने नजदीकियां बढ़ते हुए प्यार में बदल गई और 2017 में दोनों ने भारत आकर शादी कर ली। सैकत बसु ने बताया कि विक्टोरिया के पिता रूस की खुफिया एजेंसी एफएसबी में रिटायर्ड अधिकारी हैं।

सैकत और विक्टोरिया के बीच कुछ समय बाद मनमुटाव शुरू हो गए थे और मामला तलाक तक पहुंच गया था। दिल्ली के साकेत फैमिली कोर्ट में दोनों का तलाक का मामला लंबित है। दोनों के बीच कस्टडी को लेकर एक समझौता हुआ था, जिसके तहत सप्ताह में तीन दिन बच्चा अपनी मां के साथ रहेगा।

रूसी अधिकारी के साथ अफेयर का शक- सैकत बसु ने बताया कि 22 मई को बच्चा विक्टोरिया के पास गया था और यही आखिरी बार था, जब सैकत ने उसे देखा था। विक्टोरिया के रूसी दूतावास के एक अधिकारी के साथ अफेयर होने की भी जानकारी सामने आई है। सैकत बसु ने कोर्ट में कहा कि विक्टोरिया को रूसी दूतावास में पीछे के गेट से चुपके से घुसते हुए देखा गया था।

ब्यावर-अजमेर हाईवे पर अनियंत्रित होकर पलटी कार, 4 युवकों की मौत; एक घायल का चल रहा इलाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्यावर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार रात दर्दनाक हादसा हो गया, जब ग्राम चौसला (पंचायत समिति नांवा) के पांच युवक दर्शनार्थ सांवरिया सेठ जा रहे थे। मांगलियावास थाना क्षेत्र के ग्राम लामाना कट के समीप उनकी वैगनआर कार अनियंत्रित होकर पलट गई।

हादसे में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। उसे तुरंत अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार जारी है। मांगलियावास थाने के एएसआई हुकुम सिंह ने बताया कि दुर्घटना की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम से मिली थी। मौके पर पहुंचने पर पाया गया कि एक वैगनआर कार पलटी हुई थी, जिसमें दो युवक घायल अवस्था में थे जबकि तीन की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। तुरंत हाईवे एम्बुलेंस और 108 सेवा को सूचित कर सभी को जेएलएन अस्पताल पहुंचाया गया। बाद में एक अन्य घायल युवक ने भी दम तोड़ दिया।

दुर्घटना में जान गंवाने वालों की पहचान सूरज पुत्र मोहनलाल जाट, बजरंग लाल पुत्र रामलाल गुलेरी, प्रेमचंद पुत्र बोदूराम प्रजापत, कमलेश पुत्र भंवरलाल यादव के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक विमलेश का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

गांव में शोक की लहर- दुर्घटना की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजनों के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण जेएलएन अस्पताल पहुंच गए। गांव में शोक की लहर फैल गई है। पंचायत प्रतिनिधि अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि युवक सांवरिया सेठ के दर्शन हेतु निकले थे, लेकिन यह दुखद घटना हो गई। उन्होंने प्रशासन से घायल को हरसंभव चिकित्सकीय सहायता देने की मांग की है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

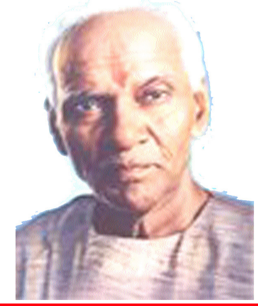

विक्रम संवत 2079 कृष्ण अष्टमी

संपादकीय

उत्तराखंड राज्य के गढ़वाल मंडल के रुद्रप्रयाग जिले में भगवान शंकर का केदारनाथ नाम से विख्यात

उत्तराखंड राज्य के गढ़वाल मंडल के रुद्रप्रयाग जिले में भगवान शंकर का केदारनाथ नाम से विख्यात ज्योतिर्लिंग स्थापित है। चार धाम तीर्थ यात्रा का यह एक प्रमुख स्थल है। यहाँ भगवान शंकर की पीठ की ज्योतिर्लिंग के रूप में पूजा की जाती है। केदारनाथ का ज्योतिर्लिंग जिस क्षेत्र में स्थापित है उसे केदारखंड कहा जाता है। इसके आसपास के अन्य मंदिर पंच केदार कहलाते है। माना जाता है स्वयं भगवान विष्णु की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शंकर यहाँ ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान है।

श्री शिवमहापुराण में केदारेश्वर ज्योतिर्लिंग के बारे में जो विवरण मिलता है उसके अनुसार एक समय भगवान विष्णु ने नर और नारायण के रूप में अवतार लिया और बद्रिकाश्रम में भगवान शिव की पूजा करते हुए घनघोर तप किया। उनके तप से प्रसन्न होकर भगवान शंकर प्रकट हुए और उनसे वर मागने के लिए कहा। तब नर-नारायण ने लोक कल्याण की कामना से भगवान शंकर से वहीं पर विराजमान होने का अनुरोध किया। उनके अनुरोध को स्वीकार करते हुए देवाधिदेव महादेव हिमालय के केदार वन में ज्योतिरूप में विराजमान हो गए और इस संपूर्ण चराचर जगत में केदारेश्वर ज्योतिर्लिंग के रुप में प्रसिद्ध हुए।

इत्युक्तस्य तदा ताभ्या केदारे हिमसंश्रये। स्वयं च शकरस्तस्थौ ज्योतीरूपो महेश्वरः ।

पौराणिक कथाओं के अनुसार महाभारत युद्ध के पश्चात सभी पांडवों को अपने परिजनों के मारने का दुख होता था। वे पश्चाताप एवं ग्लानि से भरे हुए थे। तब उनके गुरु और ऋषियों ने उन्हें शिव की शरण में जाने का सुझाव दिया। भगवान शंकर भी पांडवों द्वारा परिजनों की हत्या किए जाने से नाराज थे और उन्हें दर्शन नहीं देना चाहते थे, इसलिए जब पांडव भगवान शंकर के दर्शन के लिए काशी (वाराणसी) पहुंचे तो भगवान शंकर कैलाश चले गए। जब पांडव कैलाश पर पहुंचे तो भगवान शंकर वहाँ से भी चले गये। इस तरह जहाँ - जहाँ भगवान शंकर जाते, पांडव उनका पीछा करते करते वहीं पहुंच जाते। अंत में जब पांडव केदार क्षेत्र में पहुंचे तो वहां उन्हें देखकर भगवान शंकर ने महिष (बैल या भैंसा) का रूप धारण कर लिया लेकिन इस रुप में भीम ने उन्हें पहचान लिया और उनका पीछा किया। यह देखकर भगवान शंकर धरती में समाने लगे लेकिन तब तक भीम ने उन्हें पीछे से पकड़ लिया। इस समय तक भगवान शंकर के बैल रूप का केवल कूबड़ ही धरती पर रह गया था। भगवान शंकर ने इसी स्थान पर पांडवों को दर्शन देकर उन्हें समस्त पापों से मुक्त कर दिया। पांडवों ने यहीं पर भगवान केदारनाथ के मंदिर का निर्माण कराया।

श्री शिवमहापुराण के अनुसार भगवान शंकर के महिष रुप का सिर नेपाल में और धड़ केदार क्षेत्र में ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान है।

स्कंद पुराण में वर्णित कहानी- स्कंद पुराण के केदार खंड में केदारनाथ भगवान शिव की विस्तृत कथा का वर्णन है। इस कथा के अनुसार, एक बार किसी काल में हिरण्याक्ष नाम का एक दैत्य हुआ। इस दैत्य ने त्रिलोक को अपने अधिकार में कर लिया और इंद्र सहित सभी देवताओं को स्वर्ग से निकाल दिया। तब देवराज, हिमालयी क्षेत्र में मंदाकिनी नदी के किनारे-किनारे चलते हुए एकांत स्थान पर पहुंचे और दैत्य से हार के कारण दुखी होकर होकर तपस्या में लीन हो गए। वहां उन्होंने कई वर्षों तक भगवान शंकर की तपस्या की। इंद्र की तपस्या से प्रसन्न होकर, भगवान शिव महिष (भैंसा) के रूप में प्रकट हुए।

पीरू सिंह शेखावत

पीरू सिंह शेखावत भारतीय सेना के वीर अमर शहीदों में एक थे। कश्मीर घाटी के युद्ध में सक्रिय रूप से जूझते हुए उन्होंने पीरकांती और लेडीगनी ठिकानों पर अपनी फ़तेह हासिल की थी। वर्ष 1948 में दारापारी के युद्ध में पीरू सिंह ने वीरगति प्राप्त की। उनकी वीरता और बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च सैनिक सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

जन्म तथा शिक्षा- पीरू सिंह का जन्म 20 मई, 1918 को राजस्थान के झुंझुनू ज़िले के बेरी गाँव में हुआ था। उनके पिता के तीन पुत्र तथा चार पुत्रियाँ थीं। पीरू सिंह अपने भाइयों में सबसे छोटे थे। सात वर्ष की आयु में उन्हें स्कूल भेजा गया, लेकिन पीरू सिंह का मन स्कूली शिक्षा में नहीं लगा। स्कूल में एक साथी से उनका झगड़ा हो गया था। तब स्कूल के अध्यापक ने उन्हें डाँट लगाई। पीरू सिंह ने भी अपनी स्लेट वहीं पर पटकी और भाग गये। इसके बाद वे कभी पलट कर स्कूल नहीं गये।

व्यवसाय- स्कूली शिक्षा में मन नहीं लगने पर पीरू सिंह के पिता ने उन्हें खेती बाड़ी में लगा लिया। वह एक सम्पन्न किसान थे। खेती में पीरू सिंह ने अपनी रुचि दिखाई। वह अपने पिता की भरपूर मदद किया करते थे। उन्होंने किसानी का कार्य अच्छी तरह से सीख लिया था। किसानी के अतिरिक्त कई प्रकार के साहसिक खेलों में भी उनका बहुत मन लगता था। शिकार करने के तो वह बचपन से ही शौकीन रहे थे। अपने इस शौक़ के कारण वह कई बार घायल भी हुए थे।

सेना में भर्ती- शिकार के शौक़ ने ही पीरू सिंह को सेना में आने और फौजी बनने के लिए प्रेरित किया था। 1936 को पीरू सिंह ने फौज में कदम रखा। उन्हें 10/1द्वह्य पंजाब में प्रशिक्षण के लिए लिया गया। फिर 1 मई, 1937 को उन्हें 5/1द्वह्य पंजाब में नियुक्त कर लिया गया। फौज में आने के बाद ही पीरू सिंह के चरित्र में आश्चर्यजनक बदलाव आया। स्कूल में उन्हें पढ़ाई से चिढ़ थी, लेकिन फौज में वह पढ़ाई की ओर से बेहद गंभीर सैनिक सिद्ध हुए। कुछ ही वर्षों में उन्होंने इंडियन आर्मी फर्स्ट क्लास सर्टिफिकेट ऑफ़ एजुकेशन सफलतापूर्वक पा लिया।

पदोन्नती- अपनी शिक्षा के आधार पर 17 अगस्त, 1940 को पीरू सिंह लांस नायक के रूप में पदोन्नत हो गए। इसी दौरान उन्होंने उत्तर-पश्चिम सीमा पर युद्ध में भी भाग लिया। मार्च, 1941 में वह नायक बनाये गए। सितम्बर, 1941 को वह शिक्षा के बल पर ही पंजाब रेजिमेंटल सेंटर में इंस्ट्रक्टर बने, जहाँ वह अक्टूबर, 1945 तक कार्य करते रहे। फ़रवरी, 1942 में वे हवलदार के रूप में पदोन्नत हुए। फिर मई, 1943 में वह कम्पनी हवलदार मेजर बन गये। उनकी तरक़्क़ी का यह रुझान हमेशा यह बताता रहा कि पीरू सिंह एक कर्मठ, बहादुर और जिम्मेदार फौजी हैं।

जम्मू-कश्मीर का मामला- वर्ष 1947-1948 में जम्मू-कश्मीर क्षेत्र, जो लड़ाई का मैदान बन गया था, उसके पीछे ब्रिटिश राज द्वारा 3 जून, 1947 को की गई वह घोषणा थी, जो उन्होंने देश के विभाजन के साथ-साथ की थी। दरअसल, वह एक चाल थी, जो ब्रिटिश राज की कुटिलता को उजागर कर गई थी। वह भी तब, जब वह भारत को स्वतंत्र करने का निर्णय बाकायदा घोषित कर चुके थे।

ब्रिटिश राज ने प्रस्ताव किया था कि देश के विभाजन के बाद अखण्ड भारत की सभी रियासतें यह चुनने के लिए स्वतंत्र हैं कि वह भारत में रहना चाहती हैं या पाकिस्तान से जुड़ना चाहती हैं या फिर उन्हें स्वतंत्र रहना ही पसन्द है। इनमें से जो रियासतें स्वतंत्र रहना चाहती थीं, उनमें महाराजा हरिसिंह भी थे, जिनका राज्य जम्मू-कश्मीर में था। उन्होंने इसके निर्णय करने की प्रक्रिया में जनमत जुटाना पसन्द किया, जिसके लिए उन्हें कुछ समय चाहिए था।

पाकिस्तान का कश्मीर पर हमला- हरिसिंह ने इसके लिए भारत तथा पाकिस्तान से कुछ समय ठहरने का निवेदन किया। भारत ने उनके इस निवेदन को मान लिया, लेकिन पाकिस्तान तो बस हर हाल में कश्मीर को पाना चाहता था। उसने महाराजा हरिसिंह के निवेदन को नहीं माना। पाकिस्तान ने एक रणनीति के तहत कश्मीर की वह आपूर्ति रोक दी, जो उसके क्षेत्र से कश्मीर हमेशा पहुँचती थी। इस आपूर्ति में राशन, तेल, ईंधन आदि की बहुत ही आवश्यक सामग्री थीं। इसके बाद पाकिस्तान ने पूरे सैन्य बल के साथ कश्मीर पर हमला कर दिया। उसका इरादा महाराजा हरिसिंह पर दबाव डालने का था कि वह पाकिस्तान के पक्ष में अपना मत प्रकट करें और पाकिस्तान के साथ जुड़ जायें। लेकिन पाकिस्तान को निराशा ही हाथ आई, क्योंकि महाराजा हरिसिंह ने भारत के पक्ष में मत प्रकट किया और भारत से मदद की गुहार की। ऐसी स्थिति में अब भारत के लिए मदद करना आसान था, क्योंकि महाराजा की सहमति से जम्मू-कश्मीर भारत का हो चुका था। 26 अक्टूबर, 1947 को महाराजा हरिसंह ने भारत के पक्ष में अपना मत रखा और 31 अक्टूबर को भारत इस युद्ध में पाकिस्तान से मुकाबले के लिए आ खड़ा हुआ। यह युद्ध कई मोर्चों पर एक साथ लड़ा गया। उनमें से एक मोर्चा दारापारी का था, जहाँ कम्पनी हवलदार पीरू सिंह नियुक्त थे।

बहादुरी- उत्तरी तिथवाल की डी कम्पनी में पीरू सिंह हवलदार मेजर के रूप में नियुक्त थे और इस कम्पनी को जिम्मेदारी सौंपी गई थी कि वह पहाड़ी पर जमी दुश्मन की टुकड़ी पर हमला करके उस पर काबू कर ले। दुश्मन ने बहुत सलीके से मीडियम मशीनगनें लगा कर अपनी रणनीति जमा रखी थी और उसकी ओर से वह सब रास्ते निशाने पर थे, जिनके जरिए उन पर हमला बोला जा सकता था। दुश्मन के बंकरों से ग्रेनेड फेंके जा रहे थे। हवलदार मेजर कम्पनी की एकदम अग्रिम पंक्ति में आगे बढ़ रहे थे। पीरू सिंह ने देखा कि उनकी आधे से ज्यादा टुकड़ी तबाह हो चुकी है, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। पूरे जोश से युद्धनाद करते हुए उन्होंने अपने बचे हुए जवानों का हौसला बढ़ाया और तेज़ीसे दुश्मन के निकटमत मीडियम मशीनगन दल की ओर बढ़ गए। फटते हुए ग्रेनेड की किर्चें पीरू सिंह के कपड़ों और शरीर को चीरते हुए निकलती जा रही थीं, लेकिन पीरू सिंह को इसकी जरा भी परवाह नहीं थी और वह अपनी हिफाजत की चिन्ता किए बगैर आगे बढ़ रहे थे। उनके शरीर से खून बह रहा था, लेकिन उनका ध्यान इस ओर नहीं था। वह तो अपना सारा ध्यान बस लक्ष्य को पाने में लगा रहे थे। उन्होंने उत्तेजना से भरकर एक छलांग दुश्मन के उस मीडियम मशीनगन के दस्ते पर लगाई और बैनेट से भेदते हुए उन्हें मौत की नींद सुला दिया।

वीरगति- इसी समय पीरू सिंह को एहसास हुआ कि वह अपनी टुकड़ी में अकेले ही बचे हैं और एक मात्र योद्धा हैं। उनके शेष साथी या तो मौत की नींद सो गए हैं या बुरी तरह घायल हैं। अचानक एक ग्रेनेड आकर सीधे उनके चेहरे पर लगा। उनका चेहरा और आँखें खून से भीग गईं। इसके बावजूद उन्होंने रेंगकर लुढ़कते हुए, ग्रेनेड की परवाह किए बगैर दुश्मन की दूसरी पोजीशन की ओर कूच कर दिया। पीरू सिंह ने पूरे जोश से युद्ध घोष किया और दूसरी खाई में छिपे दुश्मनों पर भी संगीन से वार किया और दो सैनिकों को ठिकाने लगा दिया। उनके इस हमले का सारा नज़ारा उनकी %सी% कम्पनी के कमाण्डर ने देखा, जो पीरू सिंह की कम्पनी की गोलीबारी में मदद कर रहा था। इसी घायल अवस्था में हवलदार पीरू सिंह दूसरी खाई से निकल कर दुश्मन के तीसरे बंकर की ओर बढ़े। इसी वक्त एक गोली आकर सीधे उनके सिर में लगी और उन्हें दुश्मन की खाई से टकरा कर गिरते देखा गया। यकायक

Dividend क्या होता है? इससे आपको कैसे लाभ मिलता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कंपनी हर तिमाही में अपने नतीजे जारी करती है। जिसके तहत वे बताती है कि पिछले तीन महीनों में उन्हें कितना मुनाफा हुआ है। ये बीते महीनों में से ज्यादा या कम। इसके साथ ही पिछले साल इसी समय कितना मुनाफा हुआ था। इत्यादि इसे हम तिमाही नतीजे के नाम से जानते हैं। तिमाही नतीजे जारी होने के बाद अक्सर कंपनी हमने मुनाफे या लाभ का कुछ हिस्सा शेयरधारकों को भी देना चाहती है। इसे हम डिविडेंड कहते हैं।

सरल भाषा में कहा जाए तो कंपनी अपने मुनाफे का जो हिस्सा शेयरधारकों को बांटती है, उसे ही डिविडेंड कहा जाता है।

अब डिविडेंड कैसे बांटा जाता है- मान लीजिए कंपनी ये तय करती है कि वे 10 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से डिविडेंड बांटने वाली है, तो ऐसे में अगर किसी व्यक्ति के पास उस कंपनी के 1000 शेयर्स हुए, तो उसके पास 10,000 रुपये आ जाएंगे।

ये पैसे आपके सीधा बैंक खाते में क्रेडिट होते हैं। उसी बैंक में आते हैं, जो आपने डिमैट अकाउंट खुलवाते वक्त लिंक किया हो।

डिविडेंड साल में कितनी बार मिलता है- एक कंपनी साल में कितनी बार डिविडेंड बांटेगी ये उस पर निर्भर करता है। आमतौर पर कंपनी एक या उससे अधिक बार डिविडेंड बांटती है। कुछ कंपनी साल में दो बार और कुछ अनियमित डिविडेंड दिया करती है। ये पूरी तरह से कंपनी के मुनाफे या लाभ पर निर्भर करता है।

आपके खाते में डिविडेंड का उतना ही पैसा आएगा, जितना आपके पास उस कंपनी के शेयर हो। इसका अर्थ हुआ कि डिविडेंड शेयर के अनुपात में दिया है।

क्या डिविडेंड पर टैक्स लगता है- साल 2020 में इनकम टैक्स अधिनियम 1961 सेक्शन 194 के तहत डिविडेंड पर टैक्स लगाया जाता है। इसके अनुसार साल 2020 के बाद जारी हुए कंपनी के डिविडेंड पर सभी शेयरधारकों को टैक्स देना होगा।

5 साल में 1145 फीसदी का रिटर्न! अब इस कंपनी से हुई 50:50 पार्टनरशिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिक्सन टेक्नोलॉजी ने अपने लाइटिंग ऑपरेशन के बड़े स्तर पर पुनर्गठन के एक हिस्से के रूप में, 50-50 लाइटिंग संयुक्त उद्यम, लाइटेनियम टेक्नोलॉजीज को लॉन्च करने के लिए सिग्निफाई इनोवेशन के साथ साझेदारी की है। डिक्सन टेक्नोलॉजी का शेयर अभी 16,111 रुपये है। इसने 5 साल में 1145 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने गुरुवार को घोषणा की कि उसने एक टर्म शीट पर हस्ताक्षर किए हैं और उसके बाद सिग्निफाई इनोवेशन्स इंडिया लिमिटेड के साथ एक संयुक्त उद्यम समझौता (जेवीए) किया है, जिसके तहत 50-50 अनुपात वाली एक संयुक्त उद्यम कंपनी बनाई जाएगी। इस नई संयुक्त उद्यम कंपनी का नाम लाइटेनियम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड होगा और यह प्रकाश उत्पादों और सहायक उपकरणों का ओईएम व्यवसाय चलाएगी।कंपनी को लाइटेनियम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के 11,53,00,000 इक्विटी शेयर आवंटित किए जाएंगे, जिनका अंकित मूल्य 10 रुपये प्रति शेयर होगा, जो लाइटेनियम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड की पोस्ट इश्यू पेड अप शेयर पूंजी का 40.37 प्रतिशत होगा, जो पूरी तरह से डायल्यूटेड आधार पर लाइटेनियम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के हस्तांतरण के लिए प्रतिफल के रूप में होगा।

एक दिन में 1000 शेयरों पर 15000 रुपये का मुनाफा, ऐसे भागे गहने बनाने वाली कंपनी के शेयर, 100 से कम है भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार 17 जुलाई को पूरे दिन मंदी के साथ कारोबार करता रहा और गिरावट के साथ बंद हुआ। लेकिन, गहने बनाने वाली एक कंपनी के शेयरों ने निवेशकों की चांदी करा दी। दरअसल, राधिका ज्वैलटेक लिमिटेड के शेयर इंट्रा डे में 15 फीसदी तक चढ़ गए। इस ज्वैल कंपनी के शेयर 87.49 रुपये के स्तर पर खुले और 103.33 रुपये का हाई लगा दिया और 14 फीसदी की बढ़त के साथ 98.55 रुपये पर बंद हुए। अगरकिसी निवेशक ने इस कंपनी के 1000 शेयर खरीदकर हाई लेवल पर बेचे तो उसे 15000 रुपये से ज्यादा का फायदा हुआ।

राधिका ज्वैलटेक के शेयरों में 17 जुलाई को करीब 1 करोड़ 80 लाख शेयरों का ट्रेडिंग वाल्युम रहा। खास बात है कि 3 महीने के लंबे कंसोलिडेशन के बाद इस ज्वैलरी शेयर में हैवी वाल्युम और प्राइस के साथ ब्रेकआउट आया है।

मई-जून के बाद जुलाई में तेजी से चढ़ा ये शेयर- राधिका ज्वैलटेक लिमिटेड के शेयर इससे पहले अप्रैल में 14 फीसदी तक चढ़ गए थे, लेकिन मई और जून में शेयरों में गिरावट देखने को मिली। वहीं, इस शेयर ने पिछले एक महीने में साढ़े 5 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न दिया है जबकि पिछले एक साल में 65 प्रतिशत रिटर्न डिलीवर कर चुका है।

वहीं, 5 सालों में राधिका ज्वैलटेक के शेयर 200 फीसदी से ज्यादा चढ़ चुके हैं। जुलाई 2020 में इस शेयर की कीमत 30 रुपये थी और अब भाव 100 रुपये के पार चला गया है। बता दें कि 1166 करोड़ रुपये के मार्केट कैप वाली कंपनी राधिका ज्वैलटेक लिमिटेड, 2016 में इनकॉरपोरेट हुई कंपनी है, जो गोल्ड व डायमंड ज्वैलरी बनाने और उन्हें बेचने का काम करती है।

3 से सस्ते शेयर ने भरी उड़ान! एक ही दिन में लगाई 20% की लंबी छलांग, निवेशक मालामाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार के कारोबार में 3 रु से भी सस्ता एक शेयर रॉकेट बन गया। ये है विजी फाइनेंस, जिसका शेयर आज 20 फीसदी उछला। हस्श्व पर कंपनी का शेयर बुधवार को 2.65 रु पर बंद हुआ था। इसके मुकाबले ये आज गुरुवार को 2.79 रु पर खुला और फिर 20 फीसदी उछाल के साथ 3.18 रु पर पहुंच गया। सुबह करीब 10 बजे शेयर में 20 फीसदी अपर सर्किट लगा और अंत तक ये अपर सर्किट में ही रहा। 3.18 रु पर इसकी मार्केट कैपिटल केवल 45.32 करोड़ रु है।

विजी फाइनेंस BSE के 'B' ग्रुप में सबसे ज़्यादा लाभ वाला शेयर रहा। बीएसई पर दोपहर तक ही इसके 2.66 लाख शेयरों में कारोबार हुआ, जबकि पिछले एक महीने में औसतन कंपनी के 44,995 शेयरों में कारोबार हो रहा था। यानी कि हेवी वॉल्यूम और शेयरों की अधिक खरीदारी के चलते विजी फाइनेंस का शेयर आज उछला।

स्मॉल कैप शेयर बहुत जल्दी लंबी छलांग लगाने की क्षमता रखते हैं। मगर इनमें जोखिम भी अधिक होता है। इसलिए कभी भी स्मॉल या माइक्रो कैप स्टॉक्स में संभल कर ही पैसा लगाएं।

विजी फाइनेंस लिमिटेड एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी है जो भारतीय रिज़र्व बैंक, के साथ रजिस्टर्ड है। कंपनी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड है।

13 देशों में कारोबार लेकिन भारत से बिजनेस समेट रही ये एनर्जी कंपनी

स्पेन की मल्टीनेशनल एनर्जी कंपनी भारत से अपना बिजनेस समेटने जा रही है। जेलेस्ट्रा एनर्जी ने इंडिया यूनिट को 400-500 मिलियन डॉलर यानी करीब 4,300 करोड़ रुपए में बेचने की योजना बनाई है। इसके लिए उसने ब्रूकफील्ड , जेएसडब्ल्यू ग्रुप, सेमकॉर्प, सेरेंटिका और मैक्वेरी जैसी बड़ी कंपनियों से कॉन्टैक्ट किया है। जेपी मॉर्गन इस डील में जेलेस्ट्रा एनर्जी की मदद कर रहा है। जल्द ही इस बिक्री की प्रक्रिया शुरू होगी, जिसमें अगले कुछ हफ्तों में सूचना पत्र (इन्फॉर्मेशन मेमोरेंडम) भेजा जाएगा।

जेलेस्ट्रा स्पेन की एक निजी कंपनी है, जिसका स्वामित्व मुक्य रूप से स्वीडन के EQT AB Group (लगभग 92त्न हिस्सेदारी) के पास है। यह कंपनी भारत में 140 मेगावाट की सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाएं संचालित करती है।

इसके अलावा, कंपनी की 450 मेगावाट की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं और इतनी ही क्षमता के लिए बिजली खरीद समझौते हो चुके हैं। ये कंपनी 13 देशों में 29 गीगावाट की परियोजनाओं का प्रबंध करती है। कंपनी ने हाल ही में भारत और लैटिन अमेरिका में कई परियोजनाओं को बंद करने का ऐलान किया है।

भारत में Renewable energy sector में तेजी से निवेश बढ़ रहा है। क्योंकि देश 2030 तक 500 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी का टारगेट लेकर चल रहा है। इस लक्ष्य के तहत हर साल 50 गीगावाट क्षमता जोड़ी जाएगी। ऐसे में अगर इसे भारत की कोई कंपनी खरीदती है तो उसे शेयरों में बड़ा उछाल देखा जा सकता है।

भारत से बिजनेस क्यों समेट रहीं ये कंपनियां- जेलेस्ट्रा एनर्जी की तरह कई वैश्विक कंपनियां जैसे वाइब्रेंट एनर्जी और स्टेटक्राफ्ट भी भारत में अपनी संपत्तियां बेच रही हैं। इसका कारण भारत में ऊर्जा क्षेत्र की ऊंची कीमतें और कंपनियों का कर्ज कम करने की रणनीति है। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले समय में इस क्षेत्र में और सौदे, निजी इक्विटी निवेश, और एकीकरण देखने को मिलेगा।

मल्टीबैगर का बादशाह! 1 साल में 600त्न का रिटर्न, अब 10 हिस्सों में स्प्लिट होगा स्टॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियां समय-समय पर स्टॉक को स्प्लिट करती हैं। स्टॉक स्प्लिट होने के बाद कंपनियों के शेयर के दाम उतने ही रेशियो में कम होता है जितने रेशियो में स्टॉक को स्प्लिट किया जाता है। हालांकि, कंपनी की वैल्यूएशन में इससने कोई फर्क नहीं पड़ता। स्टॉक स्प्लिट होने से निवेशकों को फायदा होता है। उनके शेयरों की संख्या बढ़ जाती है। अब Indo Thai Securities के निवेशकों के शेयरों की संख्या भी बढ़ने वाली है। क्योंकि कंपनी के स्टॉक 1-10 के रेशियो में स्प्लिट होने वाले हैं।

पिछले साल 616त्न का शानदार रिटर्न देने वाली इंडो थाई सिक्योरिटीज ने अपने स्टॉक स्प्लिट के लिए 18 जुलाई को रिकॉर्ड तिथि तय की है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

कांग्रेस नेता के स्कूल में हिंदू छात्राओं के मुस्लिम नाम से वीडियो बनवाने का आरोप, हंगामे के बाद हाईवे जाम

बुरहानपुर। कांग्रेस नेता नूर काजी का गणपति नाका स्थित निमाड़ वैली स्कूल पर एक बार फिर विवादों से घिर गया है। इस बार स्कूल संचालक पर स्कूल में पढ़ने वाली हिंदू छात्राओं के मतांतरण और शिक्षा के मंदिर को राजनीति का अड्डा बनाने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। इसे लेकर गुरुवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों और छात्राओं के अभिभावकों ने स्कूल पहुंच कर जमकर हंगामा किया। स्कूल प्रबंधन पर कोई कार्रवाई नहीं होने पर दोपहर बारह बजे के आसपास विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी स्कूल के सामने इंदौर-इच्छापुर हाइवे पर बैठ गए। जिससे करीब आधे घंटे तक हाइवे जाम रहा। दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई थी। बाद में एसडीएम अजमेर सिंह गौड़, सिटी मजिस्ट्रेट राजेश पाटीदार, गणपति थाना प्रभारी सुरेश महाले आदि मौके पर पहुंचे और कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। ज्ञात हो कि नूर काजी कांग्रेस के पूर्व विधायक हमीद काजी के पुत्र हैं और स्वयं भी कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल हैं। छात्रा से जबरन लिया ओटीपी बारहवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा की मां आशा सावले ने बताया कि उनकी

बेटी से स्कूल प्रबंधन ने दो दिन पहले मोबाइल मंगवाया था।

जिसके माध्यम से कुछ बाहरी लोगों ने फरजाना के नाम से वीडियो बनाया। इस वीडियो में कांग्रेस को अच्छी पार्टी कहलवाया गया था। इस वीडियो को कांग्रेस के एप पर अपलोड कराया गया और छात्रा से जबरन ओटीपी भी लिया गया। उन्होंने बताया कि ऐसी सौ से ज्यादा 11वीं और 12वीं की हिंदू छात्राओं के साथ किया गया है। यह सीधे मतांतरण का प्रयास है। उन्होंने इस वीडियो का दुरुपयोग होने की आशंका जताते हुए स्कूल संचालक और वीडियो बनाने वाले युवा कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।स्कूल में हो रहा मतांतरण का प्रयास विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक पृथ्वीराज महाजन ने आरोप लगाया कि निमाड़ वैली स्कूल को मतांतरण का अड्डा बनाया जा रहा है। संचालक के खिलाफ यदि प्रशासन सख्त कार्रवाई नहीं करता तो परिषद आगे भी आंदोलन करेगी। इस दौरान सूचना मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी संतोष सिंह सोलंकी भी मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने संचालक से संबंधित शिक्षक को हटाने के लिए कहा। साथ ही शिकायत की बारीकी से जांच के बाद उचित कार्रवाई की बात कही है।

संचालक ने कहा वे नहीं थे मौजूद

इस संबंध में जब स्कूल संचालक नूर काजी से बात की गई तो उनका कहना था कि लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं। वे किसी कार्यक्रम के दौरान मौजूद नहीं थे। बता दें कि निमाड़ वैली स्कूल के मुख्य प्रवेश द्वार पर चौकीदार तैनात रहता है। प्रबंधन से पूछे बिना अभिभावक तक स्कूल कैंपस में नहीं जा सकते। ऐसे में सवाल उठता है कि बिना स्कूल प्रबंधन की सहमति के युवा कांग्रेस नेता स्कूल के अंदर कैसे पहुंचे और कक्षा तक पहुंच कर छात्राओं के वीडियो कैसे बना लिए।

स्कूल पर मतांतरण और मुस्लिम नाम से वीडियो बनवाने के आरोप लगाए गए हैं। लिखित शिकायत लेकर जांच कर रहे हैं। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

- राजेश पाटीदार, सिटी मजिस्ट्रेट।

अभी किसी भी पक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। एसडीएम पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। उनके निर्देश पर ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

- सुरेश महाले, थाना प्रभारी गणपति नाका।

बिजली का मीटर बदलने के नाम पर लाइनमैन ने मांगी 6 हजार रु. की रिश्वत, रंगे हाथों धराया

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह जिले के देहात थाना अंतर्गत सागर नाका चौकी के समीप गुरुवार की दोपहर मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत मंडल के लाइनमैन कुलदीप सिंह राजपूत को विद्युत मीटर बदलने के नाम पर लोकायुक्त सागर की टीम ने 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।इस संबंध में लोकायुक्त टीआई रोशनी जैन ने बताया कि ग्राम परसोरिया नाहर निवासी मुकेश सिंह ने हटा नाका के पास अपनी दुकान में विद्युत मीटर लगाने की लाइनमैन कुलदीप सिंह राजपूत से बात की थी। इसके ऐवज में कुलदीप द्वारा मुकेश सिंह से 6 हजार रुपए की राशि की मांग की गई थी।इस पर शिकायतकर्ता मुकेश सिंह द्वारा लोकायुक्त सागर में शिकायत की गई थी जिस पर कार्यवाही करते हुए लोकायुक्त ने शिकायत का परीक्षण किया और गुरुवार को दोपहर 2ः30 बजे जब लाइनमैन कुलदीप सिंह राजपूत को सागर नाका पुलिस चौकी के सामने मुकेश सिंह से 6 हजार की राशि ले रहा था उसी समय रंगे हाथों पकड़ लिया।उल्लेखनीय है कि नगर पालिका के सिविल वार्ड नंबर 9 खजरी मोहल्ला निवासी कुलदीप सिह राजपूत पुत्र प्रेम सिह राजपूत बिजली कंपनी में लाइनमैन के पद पर पदस्थ है। इसके पिता भी लाइनमैन थे जिनकी 10 वर्ष पूर्व करंट लगने से मृत्यु हो गई थी। उन्हीं की मृत्यु के उपरांत कुछ वर्ष पूर्व ही कुलदीप सिह राजपूत को पिता के स्थान पर अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त हुई थी। इस संपूर्ण कार्यवाही में निरीक्षक रोशनी जैन ,प्रधान आरक्षक शफीक खान, आरक्षक राघवेंद्र सिंह, विक्रम सिंह, अरविंद नायक एवं स्वतंत्र पक्ष साक्षी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

डाकघरों में डिजिटल क्रांति की दस्तक, 22 जुलाई से श्योपुर-मुरैना-भिंड में लागू होगी नई IT 2.0 प्रणाली

श्योपुर। डाकघर अब पहले से कहीं ज्यादा स्मार्ट और डिजिटल होंगे। डाक विभाग ने आईटी 2.0 एप्लिकेशन के रोलआउट की घोषणा की है, जो डाक सेवाओं को आधुनिक तकनीक से सुसज्जित करने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है। यह नया एप्लिकेशन 22 जुलाई 2025 से श्योपुर, मुरैना और भिंड जिलों के सभी डाकघरों में लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को बेहतर, तेज और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना है।

डाक विभाग ने बताया कि ढ्ढञ्ज 2.0 एप्लिकेशन की मदद से डाकघरों की कार्यप्रणाली पूरी तरह से डिजिटल हो जाएगी, जिससे लेनदेन की गति और सटीकता में इज़ाफा होगा। यह नया सिस्टम एक यूजर-फ्रेंडली इंटरफेस के साथ आएगा, जिससे हर उम्र के लोग आसानी से इसका उपयोग कर सकेंगे।

डाउनटाइम की जानकारी

इस बदलाव को सही तरीके से लागू करने के लिए 21 जुलाई 2025 को एक दिन का सिस्टम डाउनटाइम निर्धारित किया गया है। इस दिन किसी भी प्रकार का सार्वजनिक लेनदेन नहीं होगा, क्योंकि उस दौरान डेटा माइग्रेशन, सिस्टम चेकिंग और तकनीकी कॉन्फिगरेशन किया जाएगा।डाक विभाग ने ग्राहकों से अपील की है कि वे 21 जुलाई से पहले अपने जरूरी डाक-संबंधी कार्य पूरे कर लें ताकि उन्हें किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। विभाग ने इस अस्थायी असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया है कि इस परिवर्तन के बाद डाक सेवाएं पहले से कहीं अधिक डिजिटल, तेज और विश्वसनीय होंगी।

मध्यप्रदेश के शहडोल में बड़ा हादसा, सीवर लाइन डालते वक्त धंसी मिट्टी... 2 मजदूरों की दबकर हुई दर्दनाक मौत

शहडोल। शहडोल जिले में सिविल लाइन निर्माण कार्य एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गया है। गुरुवार को कोनी तिराहा क्षेत्र में सीवर लाइन के लिए खोदी गई नाली की मिट्टी अचानक धंसक गई, जिसके नीचे दबने से दो श्रमिकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब पाइपलाइन बिछाने का काम किया जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मिट्टी इतनी तेजी से गिरी कि श्रमिकों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।यह घटना सोहागपुर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 1 में हुई, जहां पिछले तीन साल से सीवर लाइन प्रोजेक्ट का काम जारी है। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। हालांकि, भारी मलबा हटाने में काफी वक्त लगा और जब तक मजदूरों को बाहर निकाला गया, तब तक उनकी जान जा चुकी थी।

हादसे के समय क्षेत्र में बारिश भी हो रही थी, इसके बावजूद ठेकेदार द्वारा काम जारी रखा गया था। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने निर्माण कंपनी पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि लगातार बारिश के बीच जमीन की स्थिति नाजुक थी, इसके बावजूद सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया। न ही श्रमिकों के लिए कोई सेफ्टी गियर उपलब्ध कराए गए थे।

घटना के बाद सोहागपुर और कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। पुलिस ने बताया कि श्रमिकों को निकालने के बाद ही मृतकों की पहचान और अन्य कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। वहीं, जिला प्रशासन की ओर से भी जांच के आदेश दिए गए हैं।

मौसमी बीमारियों डायरिया, उल्टी-दस्त, मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनियां के बचाव हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं एवं उपाय सुनिश्चित किये जाये

संभागायुक्त दीपक सिंह ने स्वास्थ्य अधिकारियों को दिये निर्देश

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मानसून के सीजन में मौसम बीमारियों से बचाव और उनकी रोकथाम के लिए कार्ययोजना बनाकर? निश्चित समयसीमा में कार्य किये जाये। इस मौसम में जलजनित बीमारियां, डायरिया, डिसेंटरी, कॉलरा, उल्टी-दस्त, टायफाइड, वोमेटिंग डायरिया, मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनियां आदि बीमारियों के मरीज बढ़ने की संभावना अधिक रहती है। अतः इसके बचाव एवं रोकथाम हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं एवं उपाय सुनिश्चित किया जाये। जैसे जिलास्तर एवं ब्लॉक स्तरीय कॉम्बेट टीम को सक्रिय किया जाये। जलजनित एवं वैक्टरजनित बीमारियों के लक्षण वाले मरीजों की जानकारी प्रतिदिन ली जाये। जिला स्तर पर सीएचसी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केन्द्र एवं ग्राम आरोग्य केन्द्र तक आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। पीने के पानी के जल स्त्रोतों जैसे - पानी की टंकी, नल, हैण्डपंप, कुएं आदि के पानी को उपयोग करने से पूर्व उसमें ब्लीचिंग पाउडर या क्लोरीन की गो लिया डालकर शुद्धिकरण कराया जाये। पीने के पानी को उबालकर ठंडा करके उपयोग किया जाये।

संभागायुक्त श्री सिंह आज संभागायुक्त कार्यालय में मौसमी बीमारियों के रोकथाम के संबंध में संभागीय बैठक की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस.रणदा, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. शॉजी जोसेफ, उप संचालक श्रीमती डॉ. सोनिया शिल्पा लाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी, कीट विज्ञानी श्री सी.एस. शर्मा, संभागीय समन्वयक श्रीमती मोनिका मण्डलोई सहित सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि मलेरिया के रोकथाम हेतु प्रत्येक जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उप स्वास्थ्य केन्द्र एवं ग्राम आरोग्य केन्द्र में प्रत्येक रोगी की मलेरिया जांच अनिवार्य की जाये। डेंगू, चिकनगुनिया बीमारियों के बचाव हेतु ग्रामीण क्षेत्र में प्रति सप्ताह लार्वा सर्वे एवं विनष्टीकरण का कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराया जाये। साथ ही डेंगू, चिकनगुनिया बीमारियों वाले मरीजों के ब्लड सेंपल की जांच फिर से करायी जाये। लक्षणों के आधार पर मरीजों का तत्काल उपचार कराया जाये। प्रत्येक जिला चिकित्सालय एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में 10 बेड का डेंगू वार्ड बनाया जाये।

उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिये करना होगा ऑनलाइन पंजीयन और आवेदन

इंदौर। संचालनालय उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण भोपाल द्वारा इन्दौर जिले को वर्ष 2025-26 हेतु एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना अंतर्गत विभिन्न घटकों जैसे फलक्षेत्र विस्तार ड्रेगन फ्रूट (ड्रिप रहित), आम, अमरूद, लीची, अनार, नीबू वर्गीय (सामान्य दूरी, उच्च घनत्व एवं अति उच्च घनत्व ड्रिप रहित), संकर सब्जी क्षेत्र विस्तार (हाईब्रिड), प्याज एवं लहसुन क्षेत्र विस्तार, पुष्प क्षेत्र विस्तार-कट फ्लावर, बल्बस फ्लावर, लूज फ्लावर, मसाला क्षेत्र विस्तार (बीजीय मसाला), (कंदीय मसाला) अदरक हल्दी लहसुन, जीर्णोद्धार / जीर्ण वृक्षारोपण का प्रतिस्थापन, कैनोपी प्रबंधन (मृत/पुराने पौधो को हटाना, कैनीपी प्रबंधन (टॉप वर्किंग एवं नए पौधे के साथ गैप फिलिंग), कैनीपी प्रबंधन (पोषक तत्व प्रबंधन, कीट प्रबंधन और सिंचाई कार्य) संरक्षित खेती / पॉली हाउस में उगाए जाने वाले कार्नेशन और जरबेरा की खेती, प्लास्टिक मल्चिंग, हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स, सब्जी फसलों के लिए सहायता प्रणाली, संरक्षित खेती, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, एकीकृत कीट प्रबंधन, जैविक खेती-वर्मीकम्पोस्ट यूनिट, बागवानी यंत्रीकरण, नेपसेक स्प्रेयर / पावर आपरेटेड स्प्रेयर 16 लीटर क्षमता, फसलोपरांत प्रबंधन आदि के तहत भौतिक-वित्तीय लक्ष्य प्राप्त हुये हैं, जिसमें योजना अंतर्गत लाभांवित किये जाने का प्रावधान है। जो भी कृषक उक्त योजना का लाभ लेना चाहते वे विभाग के पोर्टल mpfsts portal पर पंजीयन व आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये विकासखंड स्तरीय वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी कार्यालय अथवा जिला कार्यालय या दूरभाष कमांक 0731-2700814 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला न्यायालय इंदौर में आधार कैंप आयोजित- 70 से अधिक पंजीयन पूर्ण

इंदौर। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अजय श्रीवास्तव तथा कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायालय एवं तहसील न्यायालयों में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों की सुविधा हेतु दो दिवसीय आधार पंजीयन कैंप का आयोजन किया गया। यह शिविर जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी द्वारा 15 एवं 16 जुलाई 2025 को जिला न्यायालय इंदौर (नई बिल्डिंग कॉन्फ्रेंस हॉल) में आयोजित किया गया। कैंप में आधार सुपरवाइजर श्रीमती सपना मावर एवं श्री नितिन द्वारा अधिकारियों व कर्मचारियों के 70 से अधिक आधार पंजीयन किए गए। इस अवसर पर जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक श्री अतुल दुबे ने बताया कि शासकीय अधिकारियों व कर्मचारियों को डिजिटल सेवाओं का लाभ सरलता से दिलाने हेतु इस प्रकार के कैंप समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं। भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित कर अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को आधार से जुड़ी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है, जिससे शासकीय कार्यों में पारदर्शिता और सुलभता सुनिश्चित होगी।

आबकारी विभाग के अमले ने अभियान चलाकर की बड़ी कार्रवाई

इंदौर। इंदौर जिले में मदिरा तथा अन्य मादक पदार्थों के अवैध रूप से क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरुद्ध कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर आबकारी विभाग के अमले द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत आबकारी विभाग द्वारा मदिरा तथा अन्य मादक पदार्थों के अवैध रूप से क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरुद्ध 75 प्रकरण दर्ज किये गये। साथ ही 311 लीटर देशी-विदेशी मदिरा-एक मोटरसाइकिल और लगभग 1900 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया गया।

उक्त कार्रवाई सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में जिला उड़नदस्ता प्रभारी एवं कंट्रोल रूम प्रभारी श्री देवेश चतुर्वेदी तथा उप-नियंत्रण कक्ष प्रभारी श्री मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में आबकारी विभाग की टीम द्वारा की गई। अवैध मदिरा के ब्रिकी एवं भंडारण के विरुद्ध अनेक स्थलों पर सघन कार्यवाही की गई।

आबकारी विभाग के सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी ने बताया कि विगत एक सप्ताह से आबकारी विभाग की टीम लगातार कार्रवाई करते हुए कुल 75 प्रकरण पंजीबद्ध कर जप्ती की कार्यवाही की गई। कार्रवाई के तहत कुल 311 लीटर देशी-विदेशी मदिरा, परिवहन करते हुए एक मोटरसाइकिल और लगभग 1900 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया गया। जब्त सामग्री का कुल बाजार मूल्य लगभग तीन लाख 50 हजार रुपये है।

खुले में खाद्य पदार्थ विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों पर सतत निगरानी रखें: संभागायुक्त दीपक सिंह

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर संभागायुक्त कार्यालय में आज समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. शॉजी जोसेफ, उप संचालक श्रीमती डॉ. सोनिया शिल्पा लाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी, कीट विज्ञानी श्री सी.एस. शर्मा, संभागीय समन्वयक श्रीमती मोनिका मण्डलोई सहित सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जो खाद्य प्रतिष्ठान विशेषकर खाद्य पदार्थों का निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय करने वाले खुले में खाद्य पदार्थों की ब्रिकी करें, उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाये।

पीएम किसान योजना के सैचुरेशन के लिये शुरू होगा अभियान

इंदौर। पीएम किसान योजना के सैचुरेशन के लिये प्रदेश में अभियान चलाया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक किसानों से संपर्क कर सेचुरेशन से शेष रह गए किसानों से कार्यवाही पूर्ण कराई जाएगी और लाभ वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। अभियान के बेहतर संचालन के लिये तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है।

प्रदेश में लगभग 5 लाख किसानों द्वारा ई-केवायसी एवं आधार बैंक खाता डीबीटी के लिये इनेवल करने की कार्यवाही कर ली गई है। योजना में 20 लाख से अधिक किसानों द्वारा फार्मर रजिस्ट्री बनाए जाने की कार्यवाही की जाना प्रस्तावित है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र कृषक परिवारों को वर्ष में कुल 6 हजार रूपये की राशि प्रदान की जा रही है। योजना की अनिवार्य कार्यवाही ई-केवायसी, आधार, बैंक खाता, डीबीटी केलिए इनेवल एवं फार्मर रजिस्ट्री जैसी अनिवार्य कार्यवाही पूर्ण करने के उपरांत ही हितग्राहियों को राशि प्राप्त होती है। योजना की 20वीं किस्त का वितरण माह जुलाई 2025 में किया जाना प्रस्तावित है।

उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए हुई कार्यशाला

उद्योग विस्तार और नीतिगत लाभों पर हुआ मंथन

इंदौर। इंदौर में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग द्वारा उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राइजिंग एंड एक्सीलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस योजना के अंतर्गत लघु उद्योग भारती के सहयोग से वल्लभ नगर स्थित राघवम कैफे रेस्टोरेंट में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम विभाग के संयुक्त निदेशक श्री एस.एस. मंडलोई और जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक श्री स्वप्निल गर्ग मौजूद रहे। इनके साथ लघु उद्योग भारती के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री महेश गुप्ता, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री शिवनारायण शर्मा, श्री विनीत जैन, एवं मालवांचल क्षेत्र के उपाध्यक्ष श्री कन्हैयालाल खत्री सहित बड़ी संख्या में लघु उद्योग भारती से जुड़े उद्यमी, पदाधिकारी एवं महिला प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस कार्यशाला में उद्योग जगत को सरकारी योजनाओं और डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ने के लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। श्री हेमंत झा ने ZED सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया और उसके व्यावसायिक लाभों पर प्रकाश डाला। श्री शुभम सरवर ने RAMP योजना के तहत उद्योगों को मिलने वाली वर्तमान और आगामी सुविधाओं की जानकारी साझा की।

सेवानिवृत्ति के सातवें दिन पेंशन पेमेंट आदेश जारी

इंदौर। शासकीय सांदीपनि अहिल्याश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 से 30 जून 2025 को सेवानिवृत्त हुई शिक्षिका श्रीमती ज्योति मालवीय को सेवानिवृत्ति के सातवें दिन संभागीय पेंशन कार्यालय ने पेंशन अदायगी आदेश (पीपीओ) जारी कर दिया। विद्यालय के प्राचार्य श्री दीपक हलवे ने बताया कि श्रीमती मालवीय को उनके स्वत्वों क्रमशः जीपीएफ, बीमा, अर्जित अवकाश नगदीकरण सहित समस्त स्वत्वों का भुगतान उनके बैंक खाते में रिकार्ड अवधि में विद्यालय द्वारा जमा करवाया जा चुका है। विद्यालय से विगत एक वर्ष में सेवानिवृत्त श्री शशिभूषण शुक्ला, श्री विजय शर्मा, श्रीमती मीना जैन, श्री गंगाप्रसाद प्रजापति के समस्त स्वत्वों का भुगतान समय पर किया जाकर संकुल स्तर पर एक भी पेंशन प्रकरण लंबित नहीं है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

स्वच्छता सर्वेक्षण अवार्ड सेरेमनी में महामहिम राष्ट्रपति द्वारा उज्जैन को किया गया सम्मानित

उज्जैन। गुरूवार को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 अवार्ड सेरेमनी का आयोजन विज्ञान भवन दिल्ली में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू की गरीमामय उपस्थिति में आयोजित हुआ। समारोह में स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 अन्तर्गत सुपर स्वच्छता लीग की 3 से 10 लाख की श्रेणी वाले शहरों में उज्जैन को अवार्ड प्राप्त होने पर महामहिम राष्ट्रपति द्वारा महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष कलावती यादव एवं निगम आयुक्त आशीष पाठक को शील्ड एवं प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

समारोह में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अपने संबोधन में कहा कि पिछले वर्ष मैने उज्जैन में महाकाल मंदिर के परिसर मे आयोजित सफाई मित्र सम्मेलन में भागीदारी की थी और सफाई भी की थी मेरे लिए वह सम्मेलन महत्वपूर्ण सम्मेलनों में से एक रहा है। सभी सफाई मित्रों को बधाई।

उज्जैन को देश में 3 लाख से 10 लाख की श्रेणी में महामहित राष्ट्रपति से अवार्ड प्राप्त होने पर सभी सफाई मित्रों एवं इसमें कार्यरत सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों को महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष कलावती यादव एवं निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा बधाई दी गई, साथ ही नगर के समस्त नागरिकों को अपनी विशिष्ट सहभागिता से स्वच्छता सर्वेक्षण में इस उपलब्धि को दिलाए जाने पर आभार व्यक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि उज्जैन को 3 लाख से 10 लाख जनसंख्या श्रेणी में अवार्ड प्राप्त हुआ है। पहली बार सुपर स्वच्छता लीग का आयोजन किया गया है सुपर स्वच्छता लीग में पहले से महामहिम राष्ट्रपति जी से पुरस्कार प्राप्त कर चुके निकायों को रखा गया, सुपर स्वच्छता लीग में देश भर से 23 शहरों ने जगह बनाई जिसमें उज्जैन शहर का नाम भी शामिल है। सुपर स्वच्छता लीग के परिणाम घोषित होने पर उज्जैन शहर के सिटी रिपोर्ट कार्ड की बात की जाए तो रहवासी क्षेत्र एवं व्यावसायिक क्षेत्र के साथ ही शहर की वाटर बॉडी की स्वच्छता में 100प्रतिशत अंक प्राप्त हुए एवं डोर टू डोर कचरा संग्रहण के साथ ही शहर के पब्लिक टॉयलेट की स्वच्छता में 90 प्रतिशत

अंक प्राप्त किए गए। महापौर श्री मुकेश टटवाल ने कहा कि 20 जुलाई रविवार को जब आपके गली, मोहल्ले में सफाई मित्र सफाई के लिए आएंगे तो उनका सम्मान किया जाए क्योंकि यह सम्मान नगर निगम के सफाई मित्रों की मेहनत के परिणाम स्वरुप ही हमें स्वच्छता लीग का पुरस्कार प्राप्त हुआ है। दिल्ली में आयोजित मुख्य समारोह स्थल पर एमआईसी सदस्य सत्यनारायण चौहान, प्रकाश शर्मा, अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह, उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल, मनोज मौर्य, स्वास्थ्य अधिकारी आनंद विजय सिंह राठौड़ एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रतिभा कौशल से जीवन के उत्कर्ष को पाया जा सकता है-प्राचार्य प्रो सिंह

उज्जैन। विधार्थी जीवन से ही प्रतिभा की कुशलता से कीर्तिमान बनाए जा सकते हैं। कौशल है तो रोजगार है। हमें कौशल युवा सक्षम भारत की संकल्पना को साकार करना है। नई तकनीक से नये कौशल सीख कर युवा डिजिटल युग में रोजगार को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

यह उद्गार माधव कॉलेज की प्राचार्य प्रो कल्पना वीरेंद्र सिंह ने हामू खेड़ी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कौशल विकास कार्यशाला को उद्घाटित करते हुए व्यक्त किये। विद्यालय और महाविद्यालय के विद्यार्थियों की राखी निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस के सहयोग से आयोजित की गई। जिसमें विद्यार्थियों ने राखी निर्माण का प्रशिक्षण प्राप्त कर आकर्षक बहुरंगी राखियों का निर्माण किया। विद्यार्थियों द्वारा निर्मित राखियो का विक्रय हेतु स्टॉल विद्यालय और महाविद्यालय में लगाया जाएगा। कार्यशाला की रुप रेखा कार्यशाला समन्वयक डॉ ममता पवार ने प्रस्तुत की। विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य पूर्णिमा द्विवेदी, डॉ जफर महमूद ने भी सम्बोधित किया। विद्यार्थियों को प्रशिक्षण आस्था मुंशी और प्रतिभा मुंशी द्वारा दिया गया। संचालन समता निगम ने किया। आभार डॉ प्रीति कथूरिया ने माना। अतिथियों का स्वागत अलख रमन शर्मा, कीर्ति शर्मा एवं रीना राजोरिया ने किया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को 400 राखियो की किट तथा सौ राखियां वितरित की गई।

संयुक्त संचालक उज्जैन ऑडिटर विभाग में पदस्थ होने पर मोकम सिंह पटेल का सम्मान

उज्जैन। मध्यप्रदेश लघुवेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा उज्जैन के जिला अध्यक्ष हेमराज घावरी के नेतृत्व में लघुवेतन कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मण्डल द्वारा नगर निगम उज्जैन ऑडिट विभाग से संयुक्त संचालक उज्जैन ऑडिटर विभाग में पदस्थ होने पर मोकम सिंह पटेल सीनियर ऑडिटर्स एवं संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष का स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर हेमराज घावरी उज्जैन जिला अध्यक्ष, मुकेश रायकवार जिला सचिव, निखलेश गोंड़ ऑडिटर्स एसोसिएशन के संभागीय अध्यक्ष, कमलेश मीणा उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत किये 51 पौधों का वितरण सामाजिक कार्य के लिए दिया 11 हजार का चेक

उज्जैन। माझी आदिवासी समाज उज्जैन द्वारा 51 फलदार, छांवदार पौधों का सुरक्षित पौधा वितरण किया गया।

श्रावण के महीने में माझी आदिवासी पंचायती समाज के प्रदेश अध्यक्ष राकेश वर्मा द्वारा 51 फलदार पौधों का वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज के संजय रायकवार द्वारा सामाजिक कार्यों के लिए 11 हजार रुपये का अनुदान दिया गया। इस अवसर पर समाज के सोमेश रायकवार, गोपाल रायकवार, विजय रायकवार, बालमुकुंद बाथम, चिंतामन रायकवार, रामचरण रायकवार, बसंत गोड, मयंक माझी, जितेन्द्र माझी, सुरेश बाथम, चेतन रायकवार, राजू रायकवार आदि मौजूद रहे। अंत में कार्यक्रम का आभार खेमचंद रायकवार ने माना।

अग्रवाल आराध्या क्लब ने मनाया हरियाली महोत्सव

उज्जैन। अग्रवाल आराध्या क्लब द्वारा हरियाली महोत्सव मनाया गया जिसमें 'एक पेड़ एक जिंदगी' के तहत पौधारोपण किया गया।

क्लब अध्यक्ष मीना गर्ग ने बताया कि सभी पदाधिकारियों ने पौधों की देखभाल जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर ऋतु, संध्या, भारती, ममता, श्रद्धा गर्ग, प्रियंका, शिल्प, वर्षा, ललिता, संगीता, राधिका, पिंकी, बबीता, पलक, नीलम, माला, मेघना, ज्योति, रीना, अंजू अग्रवाल सहित सभी क्लब मेंबर ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

10 दिवसीय एनसीसी कैंप का हुआ समापन

उज्जैन। 10 म.प्र. बटालियन एनसीसी उज्जैन द्वारा 8 जुलाई से आयोजित दस दिवसीय एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का समापन 17 जुलाई को हुआ। शिविर में ग्रुप की टी.एस.सी. टीम का चयन किया गया। यह शिविर बटालियन और ग्रुप हेडक्वार्टर इंदौर के निर्देशन के साथ कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।

समापन समारोह में कर्नल जी.पी. चौधरी (सेना मेडल) व लैफ्टिनेंट कर्नल विनत कुमार ने कहा ÷एनसीसी शिविर केवल शारीरिक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि यह जीवन के अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव को सिखाने का सशक्त माध्यम है।÷ मेजर डॉ. मोहन निमोले ने बताया शिविर के दौरान कैडेट्स को राष्ट्रसेवा, अनुशासन, नेतृत्व, स्वास्थ्य, व्यक्तित्व विकास, फिजिकल ट्रेनिंग, ड्रिल, वेपन ट्रेनिंग, फायरिंग, मैप रीडिंग, ग्रुप डिस्कशन, सोशल सर्विस और सामुदायिक विकास गतिविधियों में विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया। एमआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट उज्जैन में आयोजित शिविर की एक प्रमुख उपलब्धि यह रही कि इसमें आगामी टी.एस.सी. (थल सेना कैंप) के लिए मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ डायरेक्टरेट टीम का चयन किया गया। चयन के लिए कैडेट्स को विभिन्न कठोर गतिविधियों जैसे ऑब्स्टेकल कोर्स, ड्रिल

कॉम्पिटिशन, फायरिंग, मैप रीडिंग, हेल्थ एंड हाइजीन, टेंट पिचिंग, कमांड टास्क, टीम वर्क एवं फिजिकल फिटनेस टेस्ट से गुजरना पड़ा। फायरिंग टीम के चयनित कैडेट्स ग्वालियर ओर बाकी कैडेट्स बिलासपुर छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले थलसेना कैंप में प्रतिनिधित्व करेंगे। एमआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के सचिव आदित्य वशिष्ठ ने एनसीसी को राष्ट्र निर्माण का आधार बताते हुए कहा, ÷यह संस्था विद्यार्थियों में नेतृत्व और आत्मविश्वास की भावना भरती है।÷ ग्रुप डायरेक्टर श्री मुकेश शुक्ला ने कहा कि महाविद्यालय सदैव राष्ट्रसेवा से जुड़े आयोजनों में भागीदारी निभाता रहेगा। डीन एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. के.वी. शर्मा ने कैडेट्स के उत्साह, अनुशासन और समर्पण की सराहना की। कैप्टन डॉ. कनिया मेड़ा द्वारा कैडेट्स को 10 दिवसीय कैम्प में जो सिखलाई दी है उसे अपने दैनिक जीवन में अमल करें। कैप्टन डॉ. सरोज रत्नाकर ने कैडेट्स को मोरल वेल्यूस पर उद्बोधन देकर मार्गदर्शन प्रदान किया। यह शिविर न केवल कैडेट्स के लिए एक अनुशासित जीवन की ओर मार्गदर्शक बना, बल्कि उन्हें देश सेवा की भावना से भी ओतप्रोत किया। कैडेट्स द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियां जैसे ग्रुप सॉन्ग, ग्रुप डांस, निबंध प्रतियोगिता एवं सामाजिक संदेश आधारित स्किट सहित कैडेट्स को पुस्तक किया गया। लैफ्टिनेंट सौरभ मिश्रा ने समापन समारोह में सभी कैडेट्स, पीआई स्टाफ, एनसीसी अधिकारी, और विशेष रूप से सेना मेडल प्राप्त कैम्प कमांडेंट एवं एडम ऑफिसर के प्रति आभार व्यक्त किया। कैम्प की क्लोजिंग सेरेमनी में एमआईएम के डायरेक्टर श्री ऋषि दुबे, तथा एमआईपीएस के प्राचार्य डॉ. विकास जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर सूबेदार बलविंदर सिंह, ट्रेनिंग जेसीओ सुबेदार दलजीत सिंह, लेफ्टिनेंट मदन सोलंकी, नायक सूबेदार गुरुप्रीत सिंह, कुलवीर सिंह बीएचएम अमरदीप सिंह हवलदार निर्मल सिंह, सोहन सिंह, सेकंड ऑफिसर दीपेश, सेकंड ऑफिसर तालिब हुसैन, थर्ड ऑफिसर आरती बकोरे, सीटीओ जितेंद्र पंचोली, जीसीआई निवेदिता ठाकुर सहित 600 एनसीसी कैडेट्स उपस्थिति रहे।

लायंस क्लब उज्जैन उड़ान का हुआ सेवा सम्मान, संस्थापन समारोह

उज्जैन। लायंस क्लब उज्जैन उड़ान का सेवा सम्मान एवं संस्थापन समारोह गरिमामय एवं भावपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

समारोह में संस्थापन अधिकारी एवं मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वितीय (निर्वाचित) एमजेएफ लायन डॉ. पंकज मारू उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नगर अध्यक्ष लायन संजय अग्रवाल ने समारोह की शोभा बढ़ाई। मुख्य अतिथि डॉ. पंकज मारू ने अपने प्रेरणास्पद उद्बोधन में कहा कि लायन सदस्यों को विशेष रूप से दिव्यांगजनों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने समाज में बच्चों में बढ़ती मोबाइल की लत को गंभीर समस्या बताया और कहा कि इससे न केवल नेत्र रोग बल्कि मानसिक विकार भी उत्पन्न हो रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को संस्कारों से जोड़ें और डिजिटल संयम का मार्ग अपनाएं।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com